**एस. ई. सी. एल. के क्षेत्र में धंसाव का खतरा**

677. **श्री शिव प्रसाद चनपुरिया:** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की सौहागपुर, जमुना, कोलमा और जुटीला कोयला खानों की खुदाई किन-किन ग्रामों और कस्बों के निचले तल तक पहुंच चुकी है ;

(ख) इन गांवों और कस्बों को धंसाव से बचाने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं ;

(ग) इन गांवों/कस्बों के कुल कितने व्यक्तियों को खनन कार्य के कारण विस्थापित किया जाएगा ;

(घ) उनका गांव-वार और शहर-वार ब्यौरा क्या है ; और

(ङ.) इन व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए क्या-क्या उपाय किए जाने का विचार है ?

**कोयला मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा)** : (क) से (ङ.) : इस संबंध में सूचना एकत्रित की जा रही है और यथा संभव उपलब्ध होते ही सभा-पटल पर रख दी जाएगी

**नई कोयला खानों के लिए की गई पहल**

678. **डा. जितेन्द्र कुमार जैन** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1 जनवरी, 1993 को देश में 29.301 मिलियन टन कोयले का भंडार उपलब्ध होने का अनुमान है ;

(ख) यदि हां, तो सरकार का 1993-94 के वित्तीय वर्ष के दौरान कुल कितने प्रतिशत कोयले का उत्पादन करने का लक्ष्य है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नई खानों में खनन कार्य प्रारम्भ करना पड़ेगा ;

(घ) यदि हां, तो ऐसी कोयला खानों की संख्या कितनी है और इस प्रयोजनार्थ अनुमानत: कितनी अतिरिक्त पूंजी अपेक्षित होगी ;

(ङ) क्या यह भी सच है कि वित्तीय वर्ष 1992-93 के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड को लाभ होने की संभावना है ; और

(च) यदि हां, तो उसे कितना लाभ होने का अनुमान है ?

**कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा)** : (क) दिनांक 1-1-1993 की स्थिति के अनुसार भारतीय भू-सर्वेक्षण द्वारा किए गए मूल्यांकन के अनुसार देश में कोयले के अनुमानित भंडार (1200 मीटर की गहराई तक) 193777.13 मि. टन हैं ।

(ख) वर्ष 1993-94 के लिए देश का कोयला उत्पादन लक्ष्य 249 मि. टन निर्धारित किया गया है जो कि कुल अनुमानित भंडारों का लगभग 0.13% है ।

(ग) और (घ) वर्ष 1993-94 के लिए कोयले के उत्पादन लक्ष्य को मुख्यत: वर्तमान खानों तथा स्वीकृत परियोजनाओं से पूरा किए जाने का प्रस्ताव है । 1-4-91 से सरकार ने 10 नई कोयला खानें प्रति वर्ष 35.81 मि. टन की कुल क्षमता के साथ तथा 2468.55 करोड़ रु. की राशि का निवेश किए जाने के लिए स्वीकृत की हैं ।

(ङ) और (च) जी हां । कोल इंडिया लि. को वर्ष 1992-93 के दौरान लाभ कमाने की संभावना है । यद्यपि वर्ष के लिए लाभ/हानि आंकड़े खातों को अंतिम रूप दिए जाने और लेखा-परीक्षा किए जाने के बाद ही उपलब्ध हो सकेंगे ।

## Poor quality of Coal Supply to Kota Thermal Power Station

679. SHRI RAM DAS AGARWAL : **Will the Minister of COAL be pleased to** state :

(a) whether Government are aware that the poor quality of coal received from the BCCL for Kota Thermal Power Station **Kota resouls in unstable furnace condi**tions leading to frequent tripping of the units:

(b) whether Government of Rajasthan have demanded more linkage from NCL/ SECL Coalfields and insist CIL to take only 50 per cent advance payment and carying out joint sampling at Kota Thermal Power Station; and

(c) if so, the details in this regard; and

(d) what action is proposed to be taken by the Central Government in this regard ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA) : (a) The generation at Kota Thermal Power Station has been fairly good and the power staton has improved its Plant Load Factor during the year 1992-93. According to available information for 1992-93 this TPS generated 4309 GWH against a target of 3900 GWH registering an achievement of 110.5 per cent. The PLF achieved was 76.9 per cent as against a traget of 69.6 per cent (All figures provisional). It is a fact that there are some complaints about the quality of coal supplied from Bharat Coking Coal Ltd. which coal by and large is having low volatile matter. Necessary steps are also being taken to minimise complaints relating to over-sized coal and extraneous materials.

(b) to (d) Yes, Sir. The Kota Thermal Power Station has been demanding more coal from Northern Coalfields Limited (NCL) and South Eastern Coalfields Limited (SECL). However, sdpplies from Bharat Coking Coal Limited (BCCL) could not be avoided since some coal is also moving from NCL to other power stations in the Western region. This mopement has affected availability of coal and also transport facilities form NCL to Kota Thermal Power Station. The movement from BCCL to Kota is operationally a feasible pattern from Railways point of view.

As regards advance payments for coal supplies, Coal India Limited have already taken a decision that they will be collecting advance payments based on the quality of coal actually despatched in the provious quarter. With reference to the request of joint sampling, Coal Companies are responsible for supply of right quality and correct quantity of coal at the pithead. Pithead siding where coal is loaded is the point where coal transfered as property to consumers. Therefore the quality and quantity of coal supplied have to be checked at the loading points by the consumers. Government has decided that and independent third Party Inspection Agency for quality assurance in coal should be established preferably through Coal Controller's Organisation on a self-financing basis. All quality inspections should be done at the colliery and before despatch and not at the consumers and after despatch and any discrepency should be sorted out on that basis.

**राजरप्पा परियोजना में भ्रष्टाचार**

680 **श्री कामेश्वर पासवान** :--क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सी. सी. एल. राजरप्पा परियोजना के अधिकारियों की लापरवाही से 5.92 लाख मीट्रिक टन कोयला जलकर राख हो गया ;

(ख) क्या यह भी सच है कि प्रस्तावित राजरप्पा धोवनशाला भी सी. सी. एल. में व्याप्त भ्रष्टाचार का शिकार हुई है और यह भी सच है कि इस धोवनशाला की धोवन क्षमता 800 मीट्रिक टन प्रति घंटे से भी काफी कम है ;

(ग) क्या सरकार ने इस परियोजना में व्याप्त भ्रष्टाचार के संबंध में कोई जांच करवायी है ; और

(घ) यदि हां, तो जांच के क्या निष्कर्ष निकले हैं, और उन पर क्या कार्यवाही की गई है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) कोल इंडिया लि. ने सूचित किया है कि सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लि. की राजरप्पा ओपनकास्ट परियोजना के कोयला स्टाक में आग स्वत: ही गर्मी के कारण लग गई थी, छा कि कोयले का अन्तर्विहित गुण है । कोयला कंपनी